ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

11995

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।***

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं *तीन* की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) बस्याँ म्हारे नेणण माँ नंदलाल ।
मोर मुकुट मकराक्रत कुण्डल अरुण तिलक सोहाँ भाल ।
मोहन मूरत सांवरां सूरत नेणा बणणा बिसाल ।
अधर सुधारस मुरली राजां उर बैजंती माल ।
मीरां प्रभु सतां सुखदायां, भक्त बछल गोपाल ।

(ख) तब तौ छवि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे ।
हित-पोष के तोष सु प्रान पले, बिललात महादुख दोष भरे ।
घन आनंद मीत सुजान बिना, सब ही सुख-साज-समाज टरे ।
तब हार पहार से लागत है, अब आनि कै बीच पहार परे ।

(ग) मैं ढूँढता तुझे था जब कुंज और वन में,
तू खोजता मुझे था तब दीन के वतन में;
तू आह बन किसी की मुझको पुकारता था ।
मैं था तुझें बुलाता संगीत में, भजन में ।
मेरे लिए खड़ा था दुखियों के द्वार पर तू,
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में ।
बन कर किसी के आँसू मेरे लिए बहा तू,
मैं देखता तुझे था माशूक के बदन में ।

(घ) साँसों की समाधि सा जीवन,
मसि-सागर का पंथ गया बन,
रुका मुखर कण-कण का स्पंदन
इस ज्वाला में प्राणरूप फिर से ढलने दो ।
झंझा है दिग्भ्रांत रात की मूर्च्छा गहरी,
आज पुजारी बने ज्योति का यह लघु प्रहरी,
तब तक लौटे दिन की हलचल,
तब तक यह जागेगा प्रतिपल,
रेखाओं में भर आभा-जल,
दूत साँझ का इसे प्रभाती तक चलने दो ।

(ङ) सुनो,

ढोल की लय धीमी होती जा रही है

धीरे-धीरे एक क्रांति यात्रा

शव-यात्रा में बदल रही है

सड़ाँध फैल रही है —

नक्शे पर देश के

और आँखों में प्यार के

सीमांत – धुँधले पड़ते जा रहे हैं

और हम चूहों से देख रहे हैं ।

2. भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । *16*

3. 'मीरा' की भक्ति भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए । *16*

4. रीति काव्य के शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए । *16*

5. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य के भाव पक्ष का विश्लेषण कीजिए । *16*

6. प्रसाद की कविता की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए । *16*

7. प्रगतिवाद की अंतर्वस्तु का विवेचन कीजिए । *16*

8. भवानीप्रसाद मिश्र की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए । *16*

9. प्रबंध काव्य की विशेषताएँ बताते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) रीतिसिद्ध कवि

(ख) पंत का प्रकृति-सौन्दर्य

(ग) नागार्जुन

(घ) अज्ञेय की कविता में बिम्ब-विधान